छत्तीसगढ़ में माओवादियों से मुठभेड़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के **दंतेवाड़ा-नारायणपुर सीमा** पर **अबूझमाड़ के वनों** में सुरक्षा बलों के साथ **मुठभेड़ में** सात **माओवादी** मारे गए।

मुख्य बिंदु

- **प्रमुख माओवादी विरोधी अभियान:**
  - इस ऑपरेशन में **शामिल बल:** यह कार्य कोंडागाँव, बस्तर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा के **ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)** के साथ-साथ राज्य के **विशेष कार्य बल (STF)** और **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)** द्वारा किया गया।
  - **केंद्रित या फोकस क्षेत्र:** इस अभियान का लक्ष्य **अबूझमाड़ था, जो बीजापुर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर ज़िलों को कवर करने वाला एक घना वन क्षेत्र है** और माओवादी गतिविधियों के लिये जाना जाता है।
  - अक्तूबर 2024 में अबूझमाड़ में छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें 38 माओवादी मारे गए।
  - **बरामद सामान: हथियारों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का** एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया, जबकि सुरक्षा बलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।
  - **वार्षिक प्रगति:** पुलिस रिकॉर्ड बताते हैं कि 13 दिसंबर, 2023 से अब तक **माड़ बचाओ आंदोलन के तहत बस्तर में 217 माओवादी मारे गए हैं,** जिनमें से लगभग आधे अबूझमाड़ में मारे गए हैं।

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई है, जिसकी स्थापना वर्ष 2008 में माओवादी हिंसा से** निपटने के लिये की गई थी।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिक शामिल होते हैं** जो प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियान चलाते हैं, **तलाशी और ज़ब्ती करते हैं तथा खुफिया जानकारी एकत्र करते हैं।**
- माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये DRG केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।

//

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

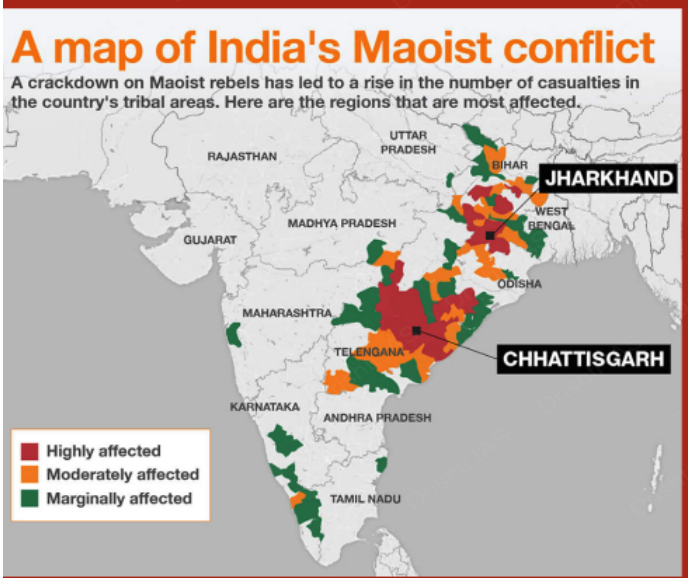

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maoists-encounter-in-chhattisgar-1